UGC Approved Journal No – 40957
(IIJIF) Impact Factor- 4.172
Regd. No. : 1687-2006-2007 **ISSN 0974 - 7648**

J I G Y A S A

AN INTERDISCIPLINARY PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

Chief Editor : ***Indukant Dixit***

Executive Editor : ***Shashi Bhushan Poddar***

Editor
Reeta Yadav

Volume 12 **February 2019** **No. 2**

Published by
PODDAR FOUNDATION
Taranagar Colony
Chhittupur, BHU, Varanasi
www.jigyasabhu.blogspot.com
www.jigyasabhu.com
E-mail : jigyasabhu@gmail.com
Mob. 9415390515, 0542 2366370

JIGYASA, ISSN 0974-7648, Vol. 12, No. 2, February 2019

- **चौथी राम यादव की क्रान्तिकारी विचारधारा** **363-365**
  दीक्षा किरन, शोध छात्रा, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- **वाराणसी के पंचक्रोशी मार्ग स्थित कर्दमेश्वर शिव मन्दिर की बाह्य भित्तियों पर अंकित शिव के विविध रूपो का प्रतिमा शास्त्रीय अध्ययन** **366-375**
  डॉ. गोपालजी, पूर्व शोध छात्र इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005
- **हिन्दी काव्य में स्त्री विमर्श (पिछला चक्का के विशेष संदर्भ में)** **376-380**
  पवसे रजनीकांत चंद्रकांत, शोधछात्र, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
- **भारतीय साहित्य में संगीत-कला का महत्व** **381-384**
  प्रीति गुप्ता, शोध छात्रा, नृत्य-विभाग, संगीत एवं मच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- **'जूठन' में दलित जीवन संघर्ष की चेतना** **385-389**
  नेहा विश्वकर्मा, शोध छात्रा, हिन्दी विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005
- **वर्तमान समाज में नारी की स्थिति** **390-397**
  अनामिका यादव, शोध छात्रा, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- **पुतली प्रदर्शन के विविध रंग** **398-404**
  रूपा सिंह, शोध छात्रा, नृत्य विभाग, संगीत एवं मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005
- **अभिज्ञान शाकुन्तलम् में वर्णित पर्यावरण संरक्षण** **405-408**
  नीतू यादव
- **प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित शूद्र जातियों की स्थिति** **409-412**
  डॉ सदानन्द सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर प्राचीन इतिहास विभाग, सुधाकर सिंह फाउण्डेशन महाविद्यालय पिलखिनी, गौराबादशाहपुर, जौनपुर।
- **ग्रामीण विकास में समावेशी शिक्षा और आई.सी.टी.** **413-418**
  कृष्ण कुमार पाठक, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वाविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ।

ग्रामीण विकास में समावेशी शिक्षा और आई.सी.टी.

कृष्ण कुमार पाठक *

भारत गॉवों का देश है जहॉ सत्तर से अस्सी प्रतिशत जनसॅख्या गॉवों में निवास करती है। जहॉ हर तरह के लोग निवास करते है सभी को शिक्षा पाने का अधिकार है जिन पर गॉवों का विकास निर्भर करता है। जो विकास के कर्णधार है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हो जाने से सभी को शिक्षा प्राप्त करना उनका अधिकार हो गया है। चाहे वे किसी कारण से आज तक विद्यालय न जा सके हों या फिर पढ़ रहे हों तो किसी कारणवश बीच में उनकी पढ़ाई छूट गई हो या फिर दिव्यांग बच्चे हो। दिव्यांग बच्चों से आशय है भिन्न योग्यता वाले बच्चों से है जैसे श्रवण बाधित, मांनसिक मन्द और दृष्टि बाधित आदि जो किसी कारणवश शिक्षा से जुड़ नहीं पाये हैं या फिर जुड़े थे तो वह आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाये है उन्हे समावेशी शिक्षा के माध्यम से सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो तथा उच्च शिक्षा भी समावेशी शिक्षा के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। दिव्यांग बच्चों को एक से ज्यादा इन्द्रियों का उपयोग कराकर पढ़ाने से इनका और भी प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिलता है जिसमें आई.सी.टी. के प्रयोग का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिससे ये शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

मुख्य शब्द :– समावेशी शिक्षा दिव्यांग बच्चे और आई.सी.टी. का प्रयोग। जो विकास के कर्णधार है।

'शिक्षा सबसे ताकतवर हथियार है जिसका इस्तेमाल आप दुनिया बदलने के लिये कर सकते है''

नेल्सन मंडेला

यह प्रसिद्ध उक्ति बताती है कि शिक्षा का कितना महत्व है हमारे देश के परिपेक्ष्य में और भी सच है। एक यूथ लोकतंत्र के तौर पर भारत शिक्षा के क्षेत्र पर तेजी से प्रगति कर रहा है। राष्ट्र की बुनियाद रखने वालों ने शैक्षिक विकास को पर्याप्त महत्व प्रदान कर जो दूर दर्शिता दिखाई है कि उससे भरपूर लाभ हमें समावेशी शिक्षा जगत में मिल रहा है जिसके अंतर्गत हम सभी को एक साथ अध्ययन का मौका मिल रहा है माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने अभी हाल फिर हाल में वे अपने प्रोग्राम ''मन की बात'' में भिन्न आवश्यकता वाले बच्चे को नये शब्दों से संबोधित किया जिस हेतु प्रधानमंत्री महोदय ने ''दिव्यांग शब्द'' का प्रयोग किया अपने मन की बात में उन्होने इन्हे भी समाज का एक अंग कहा। और इन्हे भी समाज में बराबर का अधिकार सुरक्षा, आदि देने की बात की तथा साथ ही साथ इन्होने इनके

* सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वाविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ।